



0848CH15

## फ़र्श पर

चिड़िया आती है  
डाल जाती तिनके फ़र्श पर  
हवा आती है  
बिखेर जाती धूल फ़र्श पर  
सूरज आता है  
सजा जाता चिंदियाँ फ़र्श पर  
मुन्ना आता है  
उलट देता कटोरी फ़र्श पर  
मम्मी आती हैं  
बीनतीं दाल-चावल फ़र्श पर  
पापा आते हैं  
उतार देते जूते फ़र्श पर  
महरी आती है  
समेट लेती है सब कुछ  
अपने बिवाई पड़े हाथों में  
और इस तरह लिखती है हर रोज़  
एक कविता फ़र्श पर।

—निर्मला गर्ग

पंद्रहवाँ पाठ





## शब्दार्थ

चिड़ियाँ	- छोटे-छोटे टुकड़े, धूप के छोटे-छोटे चकते	महरी	- काम करने वाली, घरेलू सहायिका
बीनना	- चुनना	बिवाई	- हाथ-पैर के चमड़े का फटना

### 1. पाठ से

- (क) कविता में फ़र्श पर कौन-कौन और क्या-क्या करते हैं?  
(ख) फ़र्श पर सभी के द्वारा कुछ न कुछ काम करने की बात कविता में हुई है, मगर महरी के काम को ही कविता लिखना क्यों कहा गया है?



### 2. तुम्हारी बात

- (क) तुम अगर मुन्ना की जगह रहो तो क्या करोगे और क्यों?  
(ख) मम्मी और महरी के काम में तुम्हें जो कुछ समानता और असमानता नजर आती है, उसे अपने ढंग से बताओ।  
(ग) तुम कविता में सभी को कुछ न कुछ करते हुए पाते हो। उसमें से तुम्हें किसका काम सबसे ज्यादा पसंद है और क्यों?  
(घ) तुम अपने घर को साफ रखने के लिए क्या-क्या करते हो? उन कामों की सूची बनाओ और उसके सामने यह भी लिखो कि तुम वह काम कब-कब करते हो।

### 3. तुम्हारी कल्पना

कविता में से चुनकर कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं—  
चिड़िया, डाल, तिनके, सूरज, हवा, हाथ, मुन्ना, कविता  
इनका प्रयोग करते हुए कोई कहानी या कविता लिखो।

### 4. फ़र्श पर कविता

“और इस तरह लिखती है हर रोज़  
एक कविता फ़र्श पर।”

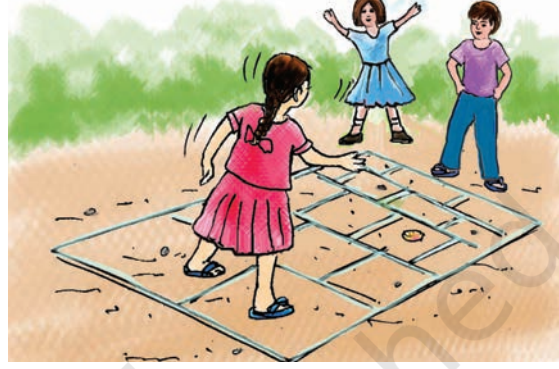


कविता में फ़र्श पर काम करने को भी कविता लिखना बताया गया है। फ़र्श के अतिरिक्त अन्यत्र भी तुम कुछ लोगों को काम करते हुए पा सकते हैं। उनमें से तुम जिन कामों को कविता लिखना बता सकते हो, बताओ और उसके कारण भी बताओ।

### 5. बच्चे और फ़र्श

बच्चे फ़र्श पर अपनी मर्जी से जो उन्हें अच्छा काम लगता है वो काम करते हैं। उसमें कभी-कभी फ़र्श को तो कभी-कभी बच्चों को भी नुकसान उठाना पड़ता है। पता करो—

- (क) बच्चों द्वारा फ़र्श पर क्या-क्या करने से उन्हें नुकसान होता है? उसकी सूची बनाओ।  
 (ख) बच्चों के किन-किन कामों से फ़र्श को नुकसान होता है?



### 6. काम के शब्द

कविता में बहुत से कामों का जिक्र किया गया है; जैसे—बीनना, बिखेरना, सजाना, उतारना, समेटना आदि। इन्हें क्रियाएँ कहते हैं। नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। इन्हें उचित क्रिया के साथ लिखो— पानी, टोकरी, बस्ता, चावल, हथेली, रंग, जूते

.....	बीनना	.....	बिखेरना	.....	सजाना
.....	उतारना	.....	समेटना		

